

'भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- यूनेस्को ने भारत के 'मराठा सैन्य परिदृश्य' (Maratha Military Landscapes) को वर्ष 2025 की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।



मुख्य बिंदु :

- ये स्मारक यूनेस्को की 47वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक के दौरान पेरिस में 11-12 जुलाई 2025 को शामिल किए गए, और भारत का 44वां ऐसा स्थल है।
- इस सूची में कुल 12 किले शामिल किए गए हैं। इनमें से 11 किले महाराष्ट्र में और 1 किला तमिलनाडु (जिंजी फोर्ट) में स्थित है।
- इस श्रृंखला में 17वीं से 19वीं शताब्दी में बनाए गए किले शामिल हैं, जैसे कि साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग, महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग, तमिलनाडु में जिंजी किला
- ये किले अलग-अलग भूभागों पर फैले हुए हैं — पहाड़ी, पहाड़-पट्टी, तटीय और द्वीप — और मराठा साम्राज्य की रणनीतिक सोच और सैन्य वास्तुकला का प्रतीक हैं।

- यह सूचीबद्धता छत्रपति शिवाजी महाराज के नेतृत्व में बने मराठा किलों की सैन्य दूरदृष्टि, सुशासन और सांस्कृतिक गौरव को वैश्विक मान्यता देती है।
- मराठा सैन्य परिदृश्य' सिर्फ पुराने किले नहीं, बल्कि 17वीं 19वीं सदी की सैन्य योजना, वास्तुकला, कूटनीति और सामरिक विविधता का प्रमाण हैं।
- UNESCO की मान्यता से न केवल इनके ऐतिहासिक महत्व को वैश्विक पहचान मिली है, बल्कि इनके संरक्षण एवं पर्यटन को भी बल मिला है।

यूनेस्को (UNESCO) के बारे में :

- यूनेस्को का पूरा नाम है United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन)।
- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जिसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में स्थित है।
- स्थापना: 16 नवंबर 1945 को लंदन में इसके संविधान पर हस्ताक्षर हुआ; यह 1946 में लागू हुआ।
- सदस्यता: वर्तमान में 194 सदस्य देश तथा 12 सह सदस्य (associate members) हैं।

भारत में UNESCO की उपस्थिति

- भारत UNO की स्थापना के बाद 1946 से ही UNESCO का सदस्य है।
- भारत में UNESCO के क्षेत्रीय कार्यालय हैं, और 44 विश्व धरोहर स्थल (35 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक, 1 मिश्रित) शामिल हैं।

संगठनात्मक ढांचा

- एक General Conference (द्विवार्षिक सदस्य देशों की बैठक) जो एजेंडा तय करती है और कार्यकारी बोर्ड चुनती है।
- मुख्य कार्यकारी : वर्तमान में औड्रे अज़ोले।

मुख्य कार्य:

- विश्व विरासत स्थल (World Heritage Sites): 1972 के कन्वेंशन के तहत सांस्कृतिक-प्राकृतिक विरासत स्थलों की पहचान, संरक्षण और रक्षा।
- शिक्षा: साक्षरता, प्रारंभिक शिक्षा, उच्च शिक्षा से लेकर उम्रभर सीखने की पहलें।

विज्ञान: प्राथमिक प्राकृतिक विज्ञान, महासागर विज्ञान आदि कार्यक्रम।

- संस्कृति: सांस्कृतिक विविधता, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, शांति और संवाद को प्रोत्साहन।
- संचार एवं सूचना: मीडिया स्वतंत्रता, शब्द की आज़ादी, हेट स्पीच रोकथाम, डिजिटल बहुभाषावाद etc

UNESCO की सूचियाँ:

1. विश्व धरोहर सूची (World Heritage List)

- वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित धरोहर स्थलों को पहचानना और संरक्षित करना। इनमें किले, वन, ऐतिहासिक शहर आदि शामिल होते हैं।

2. अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage)

- 2003 संविदा के तहत मौखिक परंपराएँ, रस्म रिवाज, लोक कथाएँ, लोक नृत्य, पारंपरिक हस्त कला आदि को संरक्षित करना। इसमें तीन उप सूचियाँ हैं:

- Representative List
- Urgent Safeguarding List
- Register of Good Safeguarding Practices

3. जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves)

- Man and the Biosphere (MAB) कार्यक्रम के अंतर्गत जैव विविधता और मानव समुदायों के संतुलन को बढ़ावा देने वाले क्षेत्र। ये प्रयोगशाला की तरह काम करते हैं।

4. ग्लोबल जियोपार्क (Global Geoparks)

- पृथ्वी की भू वैज्ञानिक विरासत को संरक्षित करने वाले भू उद्यान, जहाँ स्थानीय विकास और शिक्षा को भी प्रोत्साहित किया जाता है।

5. विश्व धरोहर स्मृति सूची (Memory of the World Register)

- मानव इतिहास और सांस्कृतिक विकास को दर्शाने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेजों, अभिलेखों, डिजिटल संग्रहों और कलाकृतियों का संरक्षण।

6. रचनात्मक शहरों का नेटवर्क (Creative Cities Network)

- दुनिया के वे शहर जिनकी पहचान संगीत, खान-पान, डिजाइन, साहित्य आदि क्षेत्रों में रचनात्मक गतिविधियों से होती है, और जो इन्हें विकास के साधन के रूप में उपयोग करते हैं।

निष्कर्ष

यूनेस्को शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, और सूचना के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है, जिससे धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता को मान्यता मिलती है, और सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों, और वैश्विक शांति को समर्थ बढ़ावा मिलता है।



Result Mitra

(वैकल्पिक विषय) 

OPTIONAL SUBJECT

GEOGRAPHY

OPTIONAL

Fee - मात्र 6499 ₹

केवल 21 से 26 जून

30 अंश कुल 30 अंश

166 - 9115 0272 6

OPTIONAL SUBJECT

वैकल्पिक विषय

PSIR

Fee - मात्र 6999 ₹

केवल 01 से 06 जुलाई

00 अंश कुल 01 अंश

166 - 9115 0272 6